छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2020 ■ वर्ष-17

सेवा का सम्मान

दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2020 ■ वर्ष-17

संरक्षक

श्री सुब्रत साहू (IAS)
अध्यक्ष

श्री मो. कैसर अब्दुलहक (IAS)
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्री अशोक कुमार
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री एन.के. बिजौरा
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

श्री राजेश वर्मा
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

संपादक

विजय कुमार मिश्रा
अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सह सम्पादक : अनामिका मण्डावी

सहयोग : जाबिर मोहम्मद कुरैशी

छाया : संजय टेम्बे

e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	जून 2020
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3080 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3224.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1864.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	121 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	12753 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1314 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	22898 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	181563 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	116910 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	199180 कि.मी.
विद्युतीकृत मजरा टोलों की संख्या	10375	39348
विद्युतीकृत पंपों की संख्या*	73369	444231
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या*	630389	2014764

*प्रावधिक

मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने की ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा

मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। 19 जून को आयोजित बैठक में विद्युत पारेषण हानि, निर्माणाधीन सब स्टेशनों की स्थिति, प्रस्तावित सब स्टेशन, विद्युत देयकों के लंबित भुगतान, विद्युत चोरी की रोकथाम के लिए एबी केबल की स्थापना, विद्युत कम्पनियों के पुनर्गठन, सहित विभिन्न पावर प्लांट के माध्यम से विद्युत उत्पादन की प्रति यूनिट लागत की गहन समीक्षा की गई।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि लॉकडाउन के दौरान अन्य प्रदेशों से छत्तीसगढ़ लौटने वाले श्रमिकों को उनके कौशल के अनुसार विद्युत सब स्टेशन, विद्युत लाईन विस्तारीकरण सहित अन्य निर्माण कार्यों में नियोजित किया जाना चाहिए। इस हेतु आवश्यकतानुसार प्रवासी श्रमिकों को प्रशिक्षित कर प्राथमिकता से कार्य में लगाया जाए ताकि उन्हें राज्य में ही रोजगार मिल सके। उन्होंने विद्युत देयकों में उपभोक्ताओं को दी जाने वाली छूट का स्पष्ट रूप से उल्लेख करने के निर्देश दिये।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के चलते अप्रैल माह में राजस्व में कमी की जानकारी विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध निदेशक श्री अब्दुल कैसर हक ने दी। उन्होंने स्पॉट बिलिंग की अद्यतन स्थिति, एरियल बंच केबल की स्थापना तथा वितरण कम्पनी की हानि को कम किए जाने के उपायों की भी जानकारी दी। आगे उन्होंने बताया कि प्रदेश के समस्त 33 केवी एवं 11 केव्ही के समस्त फीडरों की मीटरिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त फीडरों पर आटोमेटिक मीटर रीडर की स्थापना का कार्य जारी है। सब ट्रांसमिशन नेटवर्क (एसटीएन) के अंतर्गत प्रदेश में 195 विद्युत उपकेन्द्र एवं लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

इसी क्रम में ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने बताया कि पारेषण हानि को कम करने के लिए तीन वर्षों में 69 अति उच्च दाब उप केन्द्रों का निर्माण एवं इनसे सम्बद्ध पारेषण लाइनों का विस्तार किया गया। इससे पारेषण हानि में 2.98 प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई। इस वर्ष बीजापुर, उदयपुर, सिलतरा और खरमोरा (कोरबा) को शामिल कर चार अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। आगामी वर्ष में 25 नए अति उच्च दाब उपकेन्द्रों एवं इनसे संबंधित लाइनों का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश में कृषि पंपों के लिए फीडरों को अलग करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गयी कि कुल 1179 फीडरों में से 653 फीडर अलग कर लिए गए हैं। 204 फीडरों को पृथक करने का काम प्रगति पर है। इसे दिसंबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, शेष 322 फीडरों को पृथक करने का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा गया है।

बैठक में मुख्य सचिव श्री आर.पी. मंडल, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एवं पॉवर कंपनीज के चेयरमेन श्री सुब्रत साहू, सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, विद्युत वितरण कम्पनी के निदेशक श्री एन.के. बिजौरा, पारेषण कम्पनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार, पॉवर ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश वर्मा, क्रेडा एवं मुख्यमंत्री सचिवालय के उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे।

विद्युत विकास के लिए 63 लाख 70 हजार की राशि स्वीकृत

दुर्ग क्षेत्र के संचारण संधारण संभाग भिलाई के अंतर्गत स्थित पाटन विधानसभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने हेतु 63 लाख 70 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यतः इससे पाटन विधानसभा क्षेत्र के नौ ग्रामों में लगे वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि की जाएगी। इसके अलावा नौ ग्रामों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा व 05 बस्तियों में सिंगल फेस लाइनों को थ्री फेस में परिवर्तित करने का कार्य किया जाएगा। दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि पाटन विधानसभा क्षेत्र के 142 गांवों में 43 नग 11 केव्ही फीडरों के अंतिम छोर में लगे ट्रांसफार्मर व ट्रांसफार्मरों से गई एलटी लाईन में स्थित अंतिम छोर के उपभोक्ताओं के वोल्टेज का मापन किया गया एवं जिन स्थानों पर लो वोल्टेज की समस्या पाई गई या जिन ट्रांसफार्मरों पर लोड अधिक होना पाया गया उनके स्थाई निदान हेतु 25 नग कार्यों की स्वीकृति की गई है। उन्होंने बताया कि इन कार्यों में कुल व्यय होने वाली राशि 63 लाख 70 हजार रुपए है। दुर्ग वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.आर.मौर्या ने बताया कि स्वीकृति उपरांत कार्यादेश जारी किये गए हैं एवं टेंडर प्रक्रिया चालू है। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यों को यथासंभव जुलाई माह के अंत तक पूर्ण कर लिये जाने का लक्ष्य है।

मान. मुख्यमंत्री ने की ऊर्जा एवं क्रेडा विभाग की समीक्षा

प्रदेश के ऊर्जा एवं क्रेडा विभाग के कामकाज की समीक्षा मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 27 जून 2020 को की। बैठक में सोलर, पेयजल योजना, सौभाग्य योजना, सौर सुजला योजना, सोलर कोल्ड स्टोरेज, शासकीय भवनों का सौर ऊर्जीकरण, सोलर विद्युत संयंत्र आदि योजनाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने विद्युत कम्पनियों की विभिन्न योजनाओं एवं कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर मद) के कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। प्रदेश के निजी विद्युत संयंत्रों से वेरिएबल कास्ट पर मिलने वाली बिजली की समीक्षा करते हुये निर्धारित मात्रा में विद्युत प्रदाय नहीं करने वाले संयंत्रों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

उन्होंने क्रेडा के अधिकारियों से कहा कि पहुंचविहीन और दुर्गम इलाकों में सोलर के जरिये विद्युत की व्यवस्था के साथ ही नदी किनारे जहां विद्युत लाईन नहीं है उन स्थानों पर सोलर पम्प किसानों को दिया जाये। क्रेडा के अधिकारियों ने बताया कि सौर सुजला योजना के तहत् अब तक 78730 पम्प स्थापित किये गये हैं। इससे 2 लाख 46 हजार एकड़ में सिंचाई सुविधा मिल रही है। वर्ष 2020-21 में 20 हजार सोलर पम्प स्थापित करने का लक्ष्य है। प्रदेश में 5998 गांवों तथा बसाहटों में 11459 सोलर पेयजल पम्पों के माध्यम से 3.25 लाख परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव आरपी मंडल, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एवं विद्युत कम्पनीज के चेयरमेन श्री सुब्रत साहू, मुख्य मंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेसी, छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के एमडी श्री मोहम्मद अब्दुल कैसर हक, ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी श्री अशोक कुमार, जनरेशन कंपनी के एमडी श्री एन.के. बिजौरा, ट्रेडिंग कंपनी के एमडी श्री राजेश वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के उपभोक्ताओं के लिये सुविधाजनक है सीएससी

निम्नदाब विद्युत उपभोक्ताओं के देयकों का संग्रहण हेतु प्रदेश में 15786 कॉमन सर्विस सेंटर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सेवा सुविधा में लगातार वृद्धि की जा रही है। विद्युत विषयक कार्यों के त्वरित निपटारा हेतु प्रदेश में पहली बार अनेक विविध सुविधायें आरंभ की गई है। जिसमें "मोर बिजली ऐप" की निःशुल्क सुविधा, चौबीस घंटे शिकायतों को दर्ज करने केन्द्रीकृत कॉल सेंटर, विद्युत देयकों के सहज भुगतान हेतु ऑन लाईन पेमेंट, एटीपी मशीन, सहित बड़ी संख्या में कॉमन सर्विस सेंटर को जोड़ा गया है।

प्रदेश में 15786 कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) कार्यरत हैं जिनके माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के निम्नदाब विद्युत उपभोक्ता देयकों का भुगतान कर सकते हैं। कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से विद्युत देयकों का संग्रहण उपभोक्ताओं सहित कंपनी के लिये भी फायदेमंद है। इसे दृष्टिगत रखते हुये पॉवर कंपनी के मुख्य अभियंता (राजस्व) श्री मधुकर जामुलकर द्वारा समस्त मैदानी अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर कॉमन सर्विस सेंटर के अधिकाधिक उपयोग पर जोर है। इन सेंटरों के माध्यम से विद्युत देयकों का भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को सी.एस.सी. एजेंट द्वारा "सिस्टम द्वारा बनाई गई रिसिप्ट" प्रदान की जाती है। मैनुअल अथवा हाथ से लिखी गई विद्युत देयक भुगतान की रिसिप्ट उपभोक्ताओं को स्वीकार नहीं करने की समझाईश दी गई है। प्रदेश में संचालित कॉमन सर्विस सेंटर के जिले तथा ब्लॉक स्तर पर 18258 (व्हीएलई) विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर कार्यरत हैं। जिसमें रायपुर क्षेत्र के अन्तर्गत 1642 रायपुर, 624 धमतरी, 481 गरियाबंद, 842 महासमुंद, 764 बलौदा बाजार, दुर्ग क्षेत्र में 1232 दुर्ग, 623 बालोद, 576 बेमेतरा बिलासपुर क्षेत्र में 1459 बिलासपुर, 1681 जांजगीर-चांपा, कोरबा 862, मुंगेल 384, रायगढ़ क्षेत्र में 1212 रायगढ़, बस्तर क्षेत्र में 311 बस्तर, 535 बलरामपुर, 51 बीजापुर, 492 कांकेर, 80 नारायणपुर, कोण्डांगांव 175, 28 सुकमा, राजनांदगांव क्षेत्र में 1433 राजनांदगांव, कबीरधाम 669, अंबिकापुर क्षेत्र में 593 सरगुजा, 477 सूरजपुर, 424 कोरिया, जशपुर 504 विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर सेवारत है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने दिए अनुकम्पा नियुक्ति पत्र

पॉवर कंपनी के दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

राज्य शासन की रीति-नीति के अनुरूप अनुकम्पा नियुक्ति के मामलों का निराकरण छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुये पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में 27 अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

दिवगंत कर्मियों के आश्रितों को उक्त अनुकम्पा नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में 13 जून 2020 को माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने वितरित किये। आश्रितों ने मुख्यमंत्री जी के हाथों अनुकम्पा नियुक्ति पत्र पाने के उपरांत आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उनके परिवारों के जीवन में खुशहाली आयेगी। नियुक्ति पत्र पाकर दिवगंत कर्मियों के आश्रितों के चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक दिखी। कोरोना संक्रमण काल के दौरान मुख्यमंत्री से मिला नियुक्ति पत्र पूरे परिवार की जिंदगी को सुरक्षित करने की दृष्टि से अत्यंत सराहनीय कदम है।

कोरोना वायरस कोविड-19 से बचाव के उपायों का पालन करते हुए सादगीपूर्ण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नवनियुक्त कर्मियों के सुखद जीवन की कामना की और उन्हें परिवार के अन्य आश्रितों की समुचित देखभाल के लिये प्रेरित किया। पावर कंपनी मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनहितैषी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरी कर रही है। इसके अनुपालन में वितरित किये गये 27 अनुकम्पा नियुक्ति में 25 नियुक्तियां

महिलाओं को दी गई।

अनुकम्पा नियुक्ति पाने वाले में श्रीमती मंजू साहू महासमुंद, शीतल कोशले गुढ़ियारी, अंजु धीवर राजेंद्रनगर, रूकमणी सिन्हा सड्डू, संध्या देवांगन तेलीबांधा, मंजू साहू सेलूद पाटन, नलिनी विश्वकर्मा भिलाई और रोहणी साहू खम्हारडीह को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। शेष आश्रितों को उनके नियुक्ति पत्र कंपनी प्रबंधन द्वारा वितरित किए जाएंगे। इनमें सर्व श्रीमती मंजू देवांगन तखतपुर, ममता साहू बिलासपुर, फिरतीन देवी टंडन जैजपुर, ओमिन करभाल बालोद, बबीता बिंझेलकर राजनांदगांव, पूनम महल कवर्धा, गीता निषाद जांजगीर-चांपा, कांति ठाकुर महासमुंद, नीलम वैष्णव डोंगरगढ़, केश्वरी दास कुनकुरी, कु. देवकी निषाद जगदलपुर, श्यामबाई साहू बिरकोना, विजयलक्ष्मी रावटे नारायणपुर, रेशमा कश्यप बिलासपुर, दीपिका प्रजापति धमतरी, उर्मिला कुंजाम कांकेर, सुमन सिंह सरगुजा, श्री धनीराम रजक जांजगीर-चांपा तथा रामनारायण राठौर बिलासपुर शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव व छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के चेयरमेन श्री सुब्रत साहू, प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री अशोक कुमार व मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री पी.सी. पारधी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

गुण्डरदेही एवं अर्जुन्दा में ट्रांसफामर्रों की क्षमता वृद्धि

दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत गुण्डरदेही एवं अर्जुन्दा नगर पंचायत में 57 लाख 38 हजार रुपए की लागत से 07 वितरण ट्रांसफामर्रों की क्षमता बढ़ाने के साथ ही 16 अतिरिक्त नये वितरण ट्रांसफार्मर लगाए गए। एकीकृत विद्युत विकास योजना (आईपीडीएस) के तहत संपादित इस कार्य से पर्याप्त वोल्टेज एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति के साथ लगभग 4800 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

अर्जुन्दा नगर पंचायत में उक्त योजना के तहत 21 लाख 98 हजार रुपए की लागत से 25 केव्हीए के एक, 63 केव्हीए के चार एवं 100 केव्हीए के तीन सहित कुल आठ नये अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर लगाये गये हैं। इसी कड़ी में 04 लाख 77 हजार की लागत से

63 केव्हीए की दो ट्रांसफामरों की क्षमता बढ़ाकर 100 केव्हीए किया गया। गुण्डरदेही नगर पंचायत में आईपीडीएस योजना के तहत 20 लाख 74 हजार रुपए की लागत से 25 केव्हीए के दो, 63 केव्हीए के चार एवं 100 केव्हीए के दो सहित कुल आठ नये अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर लगाये गये हैं। इसी कड़ी में 09 लाख 89 हजार की लागत से 63 केव्हीए की तीन ट्रांसफामरों की क्षमता बढ़ाकर 100 केव्हीए एवं 25 केव्हीए के दो ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाकर 63 केव्हीए किया गया है। इससे गुण्डरदेही एवं अर्जुन्दा नगर पंचायत क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। नगर पंचायत वासियों ने राज्य शासन एवं विद्युत विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

नियुक्ति पत्र पाकर आत्मनिर्भर और सम्मानित महसूस किया महिलाओं ने

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में अनुकंपा नियुक्त का आदेश मुख्यमंत्री माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के हाथों से पाकर नवनियुक्त महिला कर्मचारियों ने खुद को आत्मनिर्भर होने की खुशी जाहिर करते हुये कहा कि हमारे सूने संसार में फिर से उम्मीद की नई किरण जाग गई है और हम नए जीवन में प्रवेश कर रहे हैं।

इस अवसर पर गोंडपेंड्री-सेलूद (पाटन) की मंजू साहू भावुक हो गईं। उनके पति जितेंद्र कुमार साहू का देहावसान दो साल पहले बीमारी से हो गया था। पति के जाने के बाद पाँच साल की बेटी भाग्या के भविष्य की चिंता थी। पावर कंपनी में नियुक्ति होने से उनकी चिंता अब समाप्त हो गई है।

महासमुंद के कोना ग्राम से पधारी स्वर्गीय हेमन्त कुमार साहू की पत्नी मंजू साहू ने बताया कि उनके पति सरायपाली में लाइनमेन ग्रेड-3 के रूप में पदस्थ थे। 2018 में दीपावली के दो दिन पहले सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। उनकी पत्नी मंजू साहू को लगा की उसके जीवन में हमेशा के लिए अँधेरा छा जाएगा। लेकिन पॉवर कंपनी ने उन्हें अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की। श्रीमती मंजू साहू का कहना है कि मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र पाकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है, मेरे जीवन में उम्मीद की नई किरण जागी है। मैं मुख्यमंत्री और पॉवर कंपनी की आभारी हूं।

गुढ़ियारी की श्रीमती शीतल कोशले के पति उत्तरा कुमार कोशले रायपुर में लाइन अटेंडेंट थे। उनका निधन पाँच साल पहले पीलिया से हो गया था। उनका बड़ा बेटा आयुष सातवीं कक्षा और छोटा बेटा अनमोल पांचवीं कक्षा में पढ़ता है। वितरण कंपनी में पद नहीं होने के कारण उनकी नियुक्ति नहीं हो पा रही थी। पॉवर कंपनी प्रबंधन ने इसका रास्ता निकालते हुए ट्रांसमिशन कंपनी में नियुक्ति दी। शीतला कहती हैं कि आज का दिन मेरे जीवन का सबसे खुशी देने वाला है। मेरी सारी परेशानी दूर हो गई है।

तेलीबांधा की संध्या देवांगन कहती है कि मेरे जीवन में सबसे बड़ा वज्रपात दो साल पहले हुआ था जब पति रविकांत देवांगन का आकस्मिक निधन महज 33 वर्ष की उम्र में हो गया। संध्या देवांगन कहती हैं कि वे निराश हो चुकी थीं, लेकिन आज मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति आदेश पाकर जीवन की सबसे बड़ी खुशी मिली है।

सड्डू में रहने वाली रुखमणी सिन्हा के पति संतोष कुमार सिन्हा रायपुर में लाइन अटेंडेंट थे, 41 वर्ष की आयु में एक बीमारी में निधन हो गया। पूरे परिवार की जिम्मेदारी रूखमणी के कंधे पर आ गई। उनका बड़ा बेटा भास्कर 12वीं कक्षा में पढ़ता है तथा बेटी तनु 9वीं कक्षा में है। जब उन्हें मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र मिला तो वे इसकी खुशी बयां नहीं कर पा रही थीं।

भिलाई-3 की नलिनी विश्वकर्मा के पति टार्जन विश्वकर्मा का निधन हृदयाघात से दो साल पहले हो गया। घर में सास-ससुर और दो बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी नलिनी पर आ गई। पॉवर कंपनी में अनुकंपा नियुक्ति होने से अपने मन की बात कहते हुए वे बोली कि उन्हें यह कठिन जिम्मेदारी भी सहज लगने लगी है। उनका बेटा दक्ष अभी पांचवीं और धैर्य तीसरी कक्षा में है। उनकी शिक्षा अब और बेहतर हो सकेगी।

राजिम की अंजु धीवर के पति आशीष धीवर रायपुर में लाइन अटेंडेंट थे। उनके पति का निधन तीन साल पहले ब्रेन हेमरेज से हो गया। इस दुखद घड़ी को बताते हुए उन्होंने कहा तब लगा कि अपने बेटे अरिंज और बेटी प्रतिक्षा को अच्छी तालिम कैसे दे पाएंगे, लेकिन मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र मिलने के बाद उनकी यह चिंता दूर हो गई है।

खम्हारडीह के चंद्रशेखर साहू उरला सब-डिविजन में लाइन अटेंडेंट थे। एक साल पहले उन्हें हार्टअटैक आया। उनकी पत्नी रोहिणी साहू कहती हैं कि हार्टअटैक के बाद उनका निधन हो गया, वे भीतर से टूट चुकीं थी। बेटी रीतिका छठवीं और बेटा होमेश दूसरी कक्षा में था। परिवार की जिम्मेदारी बड़ी कठिन लग रही थी, लेकिन पॉवर कंपनी ने उन्हें परिवार की तरह अपनाया। मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र मिलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि हैं। छोटे से पद में रहने वाले को भी इतना बड़ा सम्मान मिला।

प्रतिकूल परिस्थितियां में भी विकास की गति को बनाये रखें विद्युत कर्मी- श्री सुब्रत साहू

पॉवर कंपनी से सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से सेवानिवृत्त हुये अधिकारियों/कर्मचारियों को 30 जून 2020 को भावभीनी विदाई दी गई। विद्युत सेवाभवन में आयोजित कार्यक्रम में पॉवर कंपनीज अध्यक्ष श्री सब्रत साहू ने सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री ए.पी.सिंह एवं मुख्य अभियंता श्री ए.के. श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर चेयरमेन सहित कंपनी के प्रबंध निदेशक सर्वश्री मोहम्मद अब्दुल केसर हक, अशोक कुमार, एन.के. बिजौरा, राजेश वर्मा, डायरेक्टर श्रीमती उज्ज्वला बघेल एवं अन्य उच्चाधिकारियो ने सेवानिवृत्तजनों को शुभकामनायें दी।

कार्यक्रम में कंपनी के चेयरमेन श्री साहू ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचते हुए प्रदेश में किये जा रहे विद्युत विकास के कार्यों की गति को बनाये रखें। प्रतिकूल परिस्थितियां न केवल चुनौतियों से जूझने का साहस देती है अपितु नये अवसर भी प्रदान करती है। पॉवर कपनी के वरिष्ठ अभियंताओं के अनुभव का अनुकरण करते हुये अन्य सेवारत अधिकारी/कर्मचारी विद्युत कंपनीज की छवि को श्रेष्ठ बनाये रखने बेहतर प्रदर्शन करते रहेंगे।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालक निदेशक श्री सिंह ने उच्चाधिकारियों से मिले सहयोग को अपनी सफलता का आधार बताया। इसी क्रम में मुख्य अभियंता श्री श्रीवास्तव ने अपने 39 वर्षों की सेवायात्रा में अर्जित कामयाबी का श्रेय टीमवर्क को दिया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने सेवानिवृत्तजनों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

सेवानिवृत्तजनों का पौधा भेंट कर अभिनंदन

कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम संबंधी उपायों को अपनाते हुये विद्युत सेवाभवन में आयोजित विदाई कार्यक्रम में सेवानिवृत्तजनों का अभिनंदन पुष्पगुच्छ के बजाय पहली बार सजावटी पौधे भेंट कर अभिनंदन किया गया। चेयरमेन श्री सुब्रत साहू के मार्गदर्शन में की गई इस अभिनव पहल को पॉवर कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों ने सराहनीय एवं अनुकरणीय कहा। विदित हो कि पॉवर कंपनी में चेयरमैन पद पर पदभार ग्रहण करने के अवसर पर उन्होंने यह परामर्श दिया था कि पुष्पगुच्छ भेंट करने के बजाय पुस्तकें अथवा पौधे भेंट करना अधिक उपयोगी होगा। उनके इस बहुपयोगी सुझाव को अमल में लाते हुए पॉवर कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा पुष्पगुच्छ के स्थान पर सेवानिवृत्तजनों को पौधा भेंट करने पहल की गई।

मनखे के मितान होथे रूख-राई

सृष्टि के समस्त जीव-जन्तुओं का संबंध जन्म से लेकर मृत्यु तक पेड़-पौधों से जुड़ा होता है। प्राणवायु आक्सीजन से लेकर दैनिक दिनचर्या में उपयोग में आने वाले खानपान, रहन सहन, औषधी आदि की प्राप्ति इन्हीं से होती है। प्रकृति प्रदत्त मिट्टी, पानी, और बयार अनमोल है। इन्हें प्रकृति प्राणी समुदाय को निःशुल्क खुले दिल से प्रदान करते हुये कहती है- ***प्रकृति लेती नहीं, बस देती है- प्रदूषण मुक्त रखें बात यही कहती है।*** पेड़-पौधे परोपकार का भी पाठ पढ़ाते हैं। मानव समुदाय के आसपास उगने वाले बरगद, पीपल, आम, नीम, सागौन, करंज, जामुन जैसे अनगिनत वृक्षों को एकबार रोपकर उनकी समुचित देखभाल करते हुये पालन पोषण कर दें तो ऐसे पौधे आजीवन मानव हित के लिये दधीची की तरह अपना सर्वत्र दान करते हैं। *Trees are our life line- keep it in allways your mind.*

प्रदेश में ट्रांसमिशन नेटवर्क की मजबूती हेतु 121 ईएचटी उपकेन्द्र क्रियाशील

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश के "ट्रांसमिशन नेटवर्क" के विस्तारीकरण एवं नवीनीकरण के कार्य युद्धस्तर पर जारी है। सुदूर ग्रामीण एवं वनांचलों में गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति एवं लोवोल्टेज के निदान हेतु प्रदेश में 121 अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।

इन उपकेन्द्रों सहित पारेषण प्रणाली के कुशल संचालन को और बेहतर बनाने के लिए पारेषण कंपनी के मैदानी अधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया गया, जिसमें ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार के नेतृत्व में कार्यपालक निदेशक श्री ओ.पी.सिंह अधीक्षण अभियंता सर्वश्री राजेश तिवारी, मनोज राय, मनीष बंछौर एवं कार्यपालन अभियंता सर्वश्री करूणेश यादव, एम.एस.सिंह शामिल किये गये है।

उक्त कमेटी में शामिल कार्यपालक निदेशक (सी एंड आरए) श्री ओ.पी. सिंह, अधीक्षण अभियंता श्री मनोज राय, कार्यपालन अभियंता श्री एम.एस.सिंह द्वारा आज अंबिकापुर, कोरबा, बिलासपुर क्षेत्र में कार्यरत टेस्टिंग एंड कमिशनिंग विंग के अभियंताओं को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए ईडी श्री सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस 'कोविड 19' के फैलाव को रोकने के लिए राज्य शासन की रीति-निर्देश के अुनरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए करना अधिक कारगर पाया गया। उन्होंने बताया कि कंपनी मुख्यालय डंगनिया स्थित कार्यालय से मैदानी अधिकारियों को प्रशिक्षण देने की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्रों में स्थापित एवं क्रियाशील पारेषण प्रणाली के अंतर्गत पॉवर ट्रांसफार्मर, सर्किट ब्रेकर सहित अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों के रखरखाव के संबंध में आगे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अभियंताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

एबीवीटीपीएस में विदाई समारोह

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से अप्रैल माह में सेवानिवृत हुए सिविल परिचारक श्रेणी-दो श्री भगवान प्रसाद साहू को मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास ने उनके उज्जवल व सुखमय जीवन की कामना करते हुए स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कर्तव्य निर्वहन में श्री साहू का समर्पण भाव काफी सराहनीय रहा। कार्यक्रम में निज सचिव श्री अजय साहू ने सेवानिवृत कर्मी के सम्मान में कविता 'नेक लक्ष्य विचारों का संगम, तन-मन-धन से सर्वस्व अर्पण, भूखे प्राणियों को दोगे भोजन, तो नर में होंगे नारायण दर्शन' सुनाई गई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री के.सी. अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता श्री केवीआर गिरीश, सहायक अभियंता सुश्री वंदना ठाकुर उपस्थित थे।

औषधालय गुढ़ियारी में विदाई कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के औषधालय गुढ़ियारी में पदस्थ सहायक श्रेणी-1 श्री के.के. पाठक को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। विदाई कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक गोले, डॉ. अशोक पेंढारकर ने प्रतीकात्मक भेंट, प्रमाण पत्र देते हुये पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत कर उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनायें दी। इस अवसर पर उपस्थित अन्य चिकित्सा कर्मियों ने भी उन्हें शुभकामनायें दी। श्री पाठक ने अपने 36 वर्षों की सेवायात्रा में अपने सहकर्मियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

पॉवर होल्डिंग कंपनी से सेवानिवृत्तजन ईडी श्री पाण्डे से सम्मानित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग अधीन कार्यरत विधि कार्यालय, सतर्कता एवं सुरक्षा कार्यालय से 30 जून 2020 को सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. पाण्डेय ने शॉल-श्रीफल से सम्मानित कर प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए विद्युत कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी सतत् सेवायात्रा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए हैं। पॉवर कंपनी परिवार की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

पॉवर होल्डिंग कंपनी से सेवानिवृत्त हुए मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री सुनील कुमार शर्मा, उपमहाप्रबंधक (विधि) श्री पी.एस. परिहार, एवं सर्तकता अधिकारी श्री प्रकाश भट्ट ने अपनी सेवायात्रा में पॉवर कम्पनी परिवार से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

एजीएम श्री मिश्रा की विदाई

जगदलपुर में आयोजित सादगीपूर्ण समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद से सेवानिवृत्त हुये श्री आर.के. मिश्रा को भावभीनी विदाई दी गई। जगदलपुर क्षेत्र के ईडी श्री जे.एस. नेताम ने उन्हें मंगलकामना दी। श्री मिश्रा ने कंपनी में अपनी सेवायात्रा वर्ष 1986 से प्रारंभ की। वे 2005 में कार्यपालन अभियंता, नवंबर 2013 में अधीक्षण अभियंता एवं वर्ष 2019 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत हुए। श्री मिश्रा का पॉवर कंपनी में सेवाकाल 34 वर्षों का रहा। विदाई समारोह में श्री मिश्रा को अधीक्षण अभियंताद्वय सर्वश्री ए.के.गुप्ता एवं अविनाश सोनेकर ने शॉल, श्रीफल, स्मृति

चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं घड़ी भेंट कर सम्मानित किया, साथ ही उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री डी.के. डूम्भरे द्वारा किया गया।

मड़वा में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में 21 मई 2020 को विश्व आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। कोविड-19 की वजह से सोशल से बचते हुए मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास ने अपने कार्यालय कक्ष में आतंकवाद विरोधी दिवस संबंधी शपथ ली। इसके साथ ही अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री अरूण वर्मा, सुनील विश्वास, टीएल देवांगन, रजनीश जांगड़े और राजाबाबू कोसरे समेत सभी वृत्तों के अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन के कार्यालयीन कर्मचारियों ने अपने कक्ष में आतंकवाद विरोधी दिवस संबंधी शपथ ली। कार्यक्रम का संयोजन कल्याण अधिकारी (प्रशिक्षु) आरएस टेकाम द्वारा किया गया।

कोरबा पश्चिम से सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से मार्च 2020 में सेवानिवृत्त हुये कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। कोरोना के मुश्किल घड़ी में मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, सुनील नायक, पंकज कोले, संदीप श्रीवास्तव एवं बीके भगत के साथ कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री मेहता ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को पॉवर कंपनी के हित में बताते हुए उनके उज्ज्वल व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्तों में अनुभाग अधिकारी श्री संतोष कुमार यादव, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री नारायण प्रसाद राठौर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री ईश्वर प्रसाद राठौर, श्री अनंत कुमार जैन, श्री विनोद कुमार गुप्ता, संयंत्र सहायक श्रेणी-एक श्री बिमल खलखो, श्री श्याम सुंदर विश्वकर्मा, श्री परमेश्वर सिंह, वाहन चालक श्री श्रीलाल तिवारी, संयंत्र परिचारक श्रेणी-एक देवनारायण साहू, माली श्री बीजाधर शामिल हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ कल्याण अधिकारी पीआर खूंटे ने भी सेवानिवृत्तजनों को शुभकामनायें दी।

भिलाई-3 स्थित केन्द्रीय परीक्षण प्रयोग शाला का निरीक्षण

भिलाई-3 स्थित प्रदेश की एकमात्र उच्च-स्तरीय विद्युत प्रयोग शाला के कार्यों का जायजा दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने लिया। इस दौरान उन्होंने मीटर टेस्टिंग के कार्य विधियों को प्रयोगात्मक रूप से देखा और महत्वपूर्ण सुझाव दिये। उन्होंने मीटर टेस्टिंग कार्यों को वृहद स्तर पर करने के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए, जिससे प्रदेश की एकमात्र उच्च-स्तरीय विद्युत प्रयोगशाला के परीक्षणों का लाभ कंपनी को मिले व उपभोक्ताओं की सेवा में सुधार हो सके। इस दौरान अधीक्षण अभियंता श्री एसआर बांधे एवं श्री एचके मेश्राम भी उपस्थित रहे।

भिलाई-3 के केन्द्रीय परीक्षण प्रयोग शाला (सेंट्रल टेस्टिंग लेबोरेटरी) को राष्ट्रीय परीक्षण और शोधन प्रयोग शाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त है। प्रयोग शाला में विद्युत उपभोक्ताओं के शंका समाधान हेतु प्रस्तुत मीटरों की भी सशुल्क जांच की जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में यह एकमात्र एनएबीएल एक्रीडिटेडलै है, जहां विद्युत मीटर जांच का कार्य किया जाता है। यहां पर सम्पूर्ण प्रदेश से आये हुये सैम्पलों की जांच स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के आधार पर होती है।

केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला में कार्यपालन अभियंता श्री एस.ऐके. बंड, सहायक अभियंता श्री अविनाश चौहान एवं श्री पी.आर. ठाकुर व दो प्रशिक्षित एवं दक्ष तकनिशियनों के साथ सम्पूर्ण प्रदेश के लिये मीटर टेस्टिंग कार्य का संचालन किया जा रहा है। निकट भविष्य में केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला में वितरण ट्रांसफार्मर 0.5 एमव्हीए से लेकर 10 एमव्हीए क्षमता पॉवर ट्रांसफार्मर टेस्टिंग का संचालन भी किये जाने की योजना है। प्रयोगशाला में करेन्ट ट्रांसफार्मर, पोटेन्शियल ट्रांसफार्मर, कंडक्टर एवं केबल का टेस्टिंग करने की योजना प्रस्तावित है। प्रदेश की एकमात्र एनएबीएल एक्रीडिटेड लैब के कार्यों का विस्तार लगातार जारी है।

विद्युत सब डिवीजन में 29 लाख 53 हजार की लागत से कैपेसिटर बैंक चार्ज

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से कार्य कर रही है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत बेमेतरा सब डिवीजन दाढ़ी में 1815 केव्हीएआर एवं खंडसरा में 1089 केव्हीएआर का कैपेसिटर बैंक चार्ज किया गया। इस कार्य को लगभग 29 लाख 53 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया। कैपेसिटर बैंक चार्ज होने से बेमेतरा के 27 गांवों के लगभग 2800 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। अधिकारियों ने बताया कि पंपों के इंडक्टिव (मोटर) लोडसे प्रणाली पर अनावश्यक एम्पियर भार बढ़ता है और वोल्टेज कम (ड्रॉप) हो जाता है। कैपेसिटर बैंक के चालू होने से वोल्टेज एवं पॉवर फैक्टर में सुधार होगा और इससे लाईन लॉस में भी कमी आएगी।

कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने उक्त कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु कार्यपालन अभियंता (एसटीएम) / प्रोजेक्ट संभाग, सहायक अभियंता एसटीएम / परियोजना एवं उनकी पूरी टीम को बधाई प्रेषित की है। उन्होंने बताया कि सब डिवीजन दाढ़ी के अंतर्गत ग्राम बटार, मुरकी, परसवाड़ा, चिल्फी, गिधवा, कोडवा, पेंड्री, सुरुंगदाहरा, संकपाट, देवगांव, डमईडीह, खुर्दा, बोहारडीह,

अड़बांधा, ठेंगभाट, नवरंगपुर एवं निवासपुर के 1600 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इसी तरह खंडसरा सब डिवीजन के अंतर्गत ग्राम सिंगपुर, केवाची, चमारी, मोहतरा, घानाडीह, करचुवा, रायखेड़ा, जगमड़ा एवं लावातरा के लगभग 1200 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

जनसम्पर्क विभाग के श्री मूर्ति की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के जनसम्पर्क विभाग में सेवारत अनुभाग अधिकारी श्री डी.एल. मूर्ति की सेवानिवृत्ति पर पॉवर होल्डिंग-डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा 30 जून 2020 को भावभीनी विदाई दी गई। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए पॉवर होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री एच.के. पाण्डेय तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री व्ही.के. साय ने उन्हें प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर शुभकामना दी। कार्यक्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने जनसम्पर्क विभाग के कार्यों के कुशल निष्पादन में सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री मूर्ति के सहयोग को बहुमूल्य बताया। सेवानिवृत्त हो रहे अनुभाग अधिकारी श्री मूर्ति ने इस अवसर पर अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने गायन विधा के माध्यम से अपने मन की बात कही। विदाई कार्यक्रम में उच्चाधिकारियों सहित जनसम्पर्क विभाग की सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुये प्रकाशन अधिकारी श्री विकास शर्मा ने मानव संसाधन (डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी) के अधिकारियों/कर्मचारियों से कार्यक्रम के आयोजन हेतु मिले सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया।

एचटीपीएस में विदाई समारोह

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से मार्च-अप्रैल-मई माह में सेवानिवृत्त हुएं अधिकारियों-कर्मचारियों को पावर कंपनी परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी। मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, सुनील नायक, पंकज कोले, संदीप श्रीवास्तव एवं बीके भगत, राजू लहरी ने सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्तजनों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया।

सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को मुख्य अभियंता श्री मेहता ने पॉवर कंपनी के हित में बताते हुए उनके उज्जवल व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्तजनों में सर्वश्री शैलेंद्र कुमार चैबे, रामकुमार लदेर, वाहिद खान मेमन, नंदुराम यादव, महावीर राम निराला,चरनराम कोसरिया, गणेश राम, देवचरण भेंडिया, मिठाई लाल कौशिक, राम खिलावन पांडेय, लव कुमार त्रिपाठी, राम भरोस साहू, केशव प्रसाद पटेल, अर्जुन, प्रमोद कुमार गोयल, नितिन पंडा बेनर्जी, अनिल कुमार उपाध्याय, परस राम खुंटे, समे लाल खरे, धनेश्वर प्रसाद चंद्रा, फिलिप्स तिग्गा, राम गुलाल कश्यप, रतन लाल राठौर, लक्ष्मी चंद राठौर, नेस्तोर कुल्लु, संतोष दास, देवनारायण भगत, शिवकुमार श्रीवास, बीएस. रामा राव, जालमसिंह तिरोलकर, रमाशंकर राजवाड़े संतोष कुमार यादव, नारायण प्रसाद राठौर, ईश्वर प्रसाद राठौर, अनंत कुमार जैन, विनोद कुमार गुप्ता, बिमल खलखो, श्याम सुंदर विश्वकर्मा, परमेश्वर सिंह, श्रीलाल तिवारी, देवनारायण साहू एवं बीजाधर शामिल रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पीआर खूंटे ने सेवानिवृतजनों को शुभकामनाएं दी।

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ एचटीपीएस में लगाए गए विभिन्न किस्म के पौधे

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में विश्व पर्यावरण दिवस पर डीएम प्लांट परिसर में कोविड 19 की गाइडलाइन एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मुख्य अभियंता श्री एसके मेहता एवं अति. मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, एसके नायक, संदीप श्रीवास्तव, पंकज कोले, रजनीश जैन और आरके टिकरिहा ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम का संयोजन चीफ केमिस्ट जेआर वर्मा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री मेहता ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित बनाये रखने के लिए धरती पर भरपूर हरियाली को बनाये रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। पौधे जिस तरह आजीवन मानव समाज के लिए बहुपयोगी होते है उसे दृष्टिगत रखते हुए हमें भी पर्यावरण की बेहतरी के लिए हर संभव कार्य करने तत्पर रहना चाहिए। सीनियर केमिस्ट श्री वीसी बघेल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस

2020 की थीम 'जैव विविधता' के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।

पाटन विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विद्युतीय विकास कार्यों का निरीक्षण

दुर्ग क्षेत्र के संचारण संधारण संभाग भिलाई के अंतर्गत स्थित पाटन विधान सभा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ करने हेतु 63 लाख 70 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इससे क्षेत्र के नौ ग्रामों में लगे वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, नौ ग्रामों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर एवं 05 बस्तियों में सिंगल फेस लाइनों को थ्री फेस में परिवर्तित करने का कार्य किया जा रहा है।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि पाटन विधान सभा क्षेत्र के 142 गांवों में 43 नग 11 केव्ही फीडरों के अंतिम छोर में लगे ट्रांसफार्मर व ट्रांसफार्मरों से गई एलटी लाईन में स्थित अंतिम छोर के उपभोक्ताओं के वोल्टेज का मापन किया गया एवं जिन स्थानों पर लो-वोल्टेज की समस्या पाई गई या जिन ट्रांसफार्मरों पर लोड अधिक होना पाया गया उनके स्थाई नदान हेतु 25 नग कार्यों की स्वीकृति के साथ कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मड़वा विद्युत संयंत्र परिसर में पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में सिविल कार्यालय परिसर में विभिन्न किस्म के पौधे लगाए गए। कोविड 19 की गाइडलाइन एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास एवं अति. मुख्य अभियंता अरुण वर्मा, सुनील विस्वास, टी.एल. देवांगन, रजनीश जांगड़े एवं राजाबाबू कोसरे ने परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री श्रीवास ने कहा कि दुनिया आज प्रदूषण की मार झेल रही है, अतः पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सदैव निरंतर प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। हमारा एक छोटा सा प्रयास ही एक समय बाद पर्यावरण में बड़ा बदलाव लाएगा। इसके पहले संयंत्र सभाकक्ष में सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) श्री संजय झा द्वारा सीमित अधिकारियों की उपस्थिति में विश्व पर्यावरण दिवस 2020 की थीम 'जैव विविधता' के बारे में विस्तार से बताया गया और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।

फुंडा-देवादा में नये वितरण ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत सहित ट्रांसफार्मर क्षमता में वृद्धि

दुर्ग क्षेत्र में पाटन ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम फुण्डा एवं देवादा के आसपास 1.7 किलोमीटर के परिक्षेत्र में 18 लाख 42 हजार रुपए की लागत से फीडर सेपरेशन का कार्य किया गया। इस कार्य के तहत 63 केव्हीए के पांच नये वितरण ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किये गये। इस संबंध में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि विभाग द्वारा लो-वोल्टेज वाले क्षेत्रों को चिह्नांकित कर वहां के तकनीकी समस्याओं को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे इन क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हो रही है। दुर्ग विद्युत क्षेत्र के कार्यपालन अभियंता (प्रोजेक्ट) श्री हेमंत ठाकुर ने बताया कि 18 लाख 42 हजार रुपए की लागत से 13 उपभोक्ताओं की सप्लाई पंप फीडर से बस्ती फीडर में शिफ्ट किया गया, जिससे 67

घरेलू कनेक्शन एवं 28 पंप कनेक्शन वाले उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। किसानों एवं घरेलु उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इसी तरह जांमगांव (टी) वितरण केंद्र के तीन ग्रामों में चार ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई गई है। लगभग 06 लाख रुपये की लागत से संपन्न हुए इस कार्य से किसानों को पर्याप्त वोल्टेज एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की सुविधा के साथ कृषि कार्य करने में आसानी होगी। पाटन सब डिवीजन के सहायक अभियंता मोहम्मद जलालुद्दीन ने बताया कि ग्राम खुड़मुडी के कन्हैया बाड़ी एवं सावनी रोड आमापेन्ड्री एवं करगा में टांसफार्मरों की क्षमता में वृद्धि की गई। उक्त कार्य संपन्न होने से किसानों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति होने लगी जिससे किसानों में हर्ष का माहौल है।

बिलासपुर में सेवानिवृत्त कर्मियों की भावभीनी विदाई

बिलासपुर क्षेत्र से जून 2020 में सेवानिवृत्त हुये अधिकारियों/कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्त हुये कर्मियों को कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने विद्युत कंपनी की ओर से प्रदत्त प्रशस्ति पत्र, घड़ी, शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित कर सुखमय जीवन की कामना की। सेवानिवृत्तजनों में शामिल सर्वश्री ब्रजेन्द्र सिंह पीके देवांगन, अनूप कुमार भट्टाचार्य, रवीन्द्र कुमार गुप्ता, सुब्रत दत्ता, कमल प्रसाद राजपूत, कोमल दास, रामकुमार विश्वकर्मा, हर प्रसाद साहू, मुस्तफा खान, अजय दास, खोरबहरा राम कश्यप, गोवर्धन लाल राले, ईश्वरी कुमार जायसवाल ने सेवायात्रा में अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता आर.के. कश्यप, सुरेश जांगडे, अमर चौधरी, डी.के. विश्वकर्मा, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी टी.ए. सिंह एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारजन सहित बडी संख्या में अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

पारेषण कम्पनी (मानव संसाधन) कार्यालय में विदाई कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालय में अनुभाग अधिकारी श्री स्वप्नकुमार शील की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री पीसी पारधी ने उन्हें प्रतीक चिह्न और प्रमाण पत्र तथा मानव संसाधन परिवार की ओर से देय स्मृति चिह्न भेंट किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि परिवर्तन सृष्टि की परंपरा है जिसे हम सभी को निभाना होता है। श्री शील ने कहा कि विद्युत कंपनी परिवार में हमेशा सम्मान मिला। सेवानिवृत्ति के उपरांत अपना समय सामाजिक कार्यों में व्यतीत करना ध्येय है। इस मौके पर प्रबंधक श्रीमती पूर्णिमा कुलदीप, प्रदीप कुमार राठौर, प्रकाशन अधिकारी श्री गोविन्द पटेल उपस्थित थे।

भिलाई वर्कशॉप से सेवानिवृत्तजनों की विदाई

पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के भिलाई स्थित वर्कशॉप से 30 जून 2020 को सेवानिवृत हुए कर्मचारियों सर्वश्री संतराम देवांगन एवं राजाराम साहू को कार्यपालन अभियंता श्री एसके चौहान ने प्रशस्ति पत्र एवं शॉल भेट कर सम्मानित किया। इस मौके पर कर्मशाला में पदस्थ भृत्य कुमारी बाई को स्थानांतरण पश्चात विदाई दी गई। कार्यमक्रम में कल्याण अधिकारी श्री टीपी शर्मा, सहायक अभियंता श्री अखिलेश गजपाल, सहायक अभियंता श्रीमती पूनम भावनानी एवं उपस्थित अन्य कर्मचारियों ने भी उन्हें शुभकामनायें दी।

जनसंपर्क विभाग में विदाई कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) कार्यालय रायपुर में कार्यरत श्रीमती शंखमित्रा साहू के भाटापारा स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री विजय मिश्रा ने उन्हें प्रतीकात्मक भेंट प्रदान कर बेहतर कार्यशैली को बनाये रखने प्रेरित किया। इस अवसर पर जनसम्पर्क विभाग के प्रकाशन अधिकारी श्री विकास शर्मा, सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी, वरिष्ठ शीघ्रलेखक श्री जाबिर कुरैशी, सहायक मुख्य छायाकार श्री संजय टेम्बे, कार्यालय सहायक श्रीमती सारिका साहू, श्री प्रसन्न दुबे, श्री सूर्यभान पटेल ने श्रीमती शंखमित्रा को मंगलकामनायें दी।

मड़वा में राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह आयोजित

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में कोविड 19 के दिशा-निर्देशों व सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए ने 26 जून से 02 जुलाई तक राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता सर्वश्री आरके श्रीवास ने कहा कि विद्युत संयंत्र में खतरों से निपटने के लिए हर कर्मचारी को सतर्क रहना चाहिए। बरसात के वक्त लीकेज करंट का खतरा बढ़ जाता है। इनके साथ ही अपने घरों में अच्छे विद्युत उपकरण भी लगवाएं ताकि आप सभी सुरक्षित रहें।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता रजनीश जांगड़े ने कहा कि असुरक्षित कार्य व असुरक्षित वातावरण ही दुर्घटना के कारण बनते हैं। इसलिए हमें दोनों ही कारणों को शून्य करना होगा। अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री अरूण वर्मा, टीएल देवांगन, राजाबाबू कोसरे और मुख्य रसायनज्ञ श्री आरके तिवारी द्वारा अपने उद्बोधन में विद्युत संयंत्र में कार्य के दौरान परमिट व आइसोलेशन पर जोर दिया गया। अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) श्री आरएल ध्रुव ने बताया कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने विद्युत दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए यह तय किया है कि जनजागरूकता के लिए अनवरत प्रयास की आवश्यकता को प्रतिपादित किया। वर्ष 2020 में राष्ट्रीय

विद्युत सुरक्षा सप्ताह का यह पहला आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है। इस वर्ष का थीम है 'विद्युत दुर्घटना से बचाव, राष्ट्रीय हानि से बचाव'। इस अवसर पर सहायक अभियंता श्री विजय कुमार बर्मन द्वारा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। विद्युत सुरक्षा पर नारा स्पर्धा में सुश्री सावित्री कंवर, श्री जयराम, श्रीमती मधुकिरण जायसवाल तथा निबंध स्पर्धा में संजय कुमार झा, संजीव सारथी, संजय कुमार वस्त्रकार को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन सहायक अभियंता नरेंद्र देवांगन एवं आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता एसआर. विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

सेलूद, गाड़ाडीह, मचांदुर एवं आसपास के लगभग 09 गांवों को मिली सौगात

विद्युत कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में नीत नूतन कार्य पूर्ण किये जा रहे है। ऐसे कार्यो को पूर्ण करते हुए दुर्ग क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। लगभग 01 करोड़ 19 लाख 44 हजार की लागत से पाटन से सेलूद होते हुए गाड़ाडीह सबस्टेशन तक नई 33 केव्ही लाइन खींच कर उसे चार्ज करने में कामयाबी मिली।

132 केव्ही पाटन सबस्टेशन से 33/11 केव्ही सबस्टेशन सेलूद के बीच नई 33 केव्ही लाइन 76 लाख 24 हजार की लागत से खींचा गया हैं। इसी तरह सेलूद सबस्टेशन से 33/11 केव्ही सबस्टेशन गाड़ाडीह तक 33 केव्ही लाइन 43 लाख 20 हजार की लागत से खिंची गई है। सेलूद सबस्टेशन से गाड़ाडीह तक नई 33 केव्ही लाइन खींचने से मचांदुर सबस्टेशन के उपभोक्ता भी लाभान्वित होंगे।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि पहले सेलूद में बिजली की सप्लाई रुआबांधा से उतई होकर आती थी। उतई फीडर में खपत करीब 10 मेगावट थी। सेलूद स्टोन क्रशर एरिया है, वहां वोल्टेज समस्या की शिकायत बहुत आ रही थी। अब सेलूद के लिए सेपरेट फीडर मिल जाने से ब्रेकडाउन, ट्रीपिंग एवं लो वोल्टेज की समस्या खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि सेपरेट फीडर मिल जाने से सेलूद सबस्टेशन के 09 गांवों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

उतई सब डिवीजन के सहायक अभियंता श्री राजेन्द्र कुमार चन्द्राकर ने बताया कि 132 केव्ही सबस्टेशन पाटन से सेलूद सबस्टेशन तक 13 किमी 33 केव्ही लाइन खींच कर दिनांक 04 जून को उर्जीकृत कर दिया गया है। जिससे अब ऐसी व्यवस्था हो गई है कि 132 के.व्ही.सबस्टेशन रुआबांधा से निकलने वाली 33 केव्ही उतई फीडर में ब्रेकडाउन या खराबी होने पर नये 33 केव्ही सेलूद फीडर के माध्यम से सभी सब स्टेशन सेलूद, उतई एवं पुरई को 32 के.व्ही. पाटन सबस्टेशन से तत्काल जोड़ा जा सकता है।

कार्यपालक निदेशक (सिविल) श्री जरनैल सिंह भाटिया

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर कंपनी प्रदेश की सबसे बड़ी सेवाभावी संस्थान है। विद्युत उत्पादन से लेकर पारेषण एवं वितरण कार्यों का निष्पादन करते समय इस तकनीकी संस्थान के अधिकारियों को निरन्तर युक्तिपूर्ण कार्यशैली से बेहतर परिणाम देने प्रयत्नशील रहना होता है। इसे कार्यपालक निदेशक सिविल ईई जरनैल सिंह भाटिया ने अपनी कार्यशैली में बनाये हुये छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के सिविल संकाय में कार्यरत हैं।

श्री जरनैल सिंह भाटिया का जन्म 17 अगस्त 1958 को छत्तीसगढ के डोंगरगढ जिला राजनांदगांव में हुआ। आपने वर्ष 1975 में अम्बागढ़ चौकी जिला राजनांदगांव से हायर सेकण्डरी की परीक्षा तथा वर्ष 1980 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर से बीई सिविल (ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की। सुदूर ग्रामीण वनांचल चौकी से इंजीनियरिंग के प्रथम छात्र होने का गौरव आपको प्राप्त हुआ। शिक्षा की पूर्णता के उपरान्त माता स्वर्गीय श्रीमती सन्त कौर भाटिया व पिता स्वर्गीय श्री रवैल सिंह भाटिया से मिले मार्गदर्शन और सुसंस्कार के साथ आपने अपनी कैरियर की शुरुआत ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में वर्ष 1981 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल कोरबा से की। आगे वर्ष 1982 में आपको सहायक अभियंता का नियमित पद प्राप्त हुआ।

इस पद पर आपने कोरबा ईस्ट वेस्ट, रायपुर, (एस एंड आई), टी एंड डी में सेवाएं दी। सेवायात्रा में सफलतापूर्वक आगे बढ़ते हुए आपको वर्ष 1999 में कार्यपालन अभियंता तथा वर्ष 2008 में अधिक्षण अभियंता एवं वर्ष 2011 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने कंपनी मुख्यालय रायपुर में अपनी सेवाएं दी। वर्ष 2007 में कार्यपालन अभियंता के दायित्वों का आपने कुशल निर्वहन किया फलस्वरूप सिविल हेडक्वाटर डिवीजन को बेस्ट डिवीजन का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

हंसमुख स्वभाव के साथ टीमवर्क को अपनी कार्यशैली में शामिल करके सतत् सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुए आपको वर्ष 2019 में मुख्य अभियंता एवं वर्ष 2020 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। अपनी सेवायात्रा के दौरान आपने रायपुर डेवलपमेन्ट अथॉरिटी में प्रतिनियुक्ति पर अप्रेल 2013 से अगस्त 2019 तक मुख्य अभियंता के पद पर अपनी सेवाएं भी दी हैं। आरडीए में भी आपको पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त हुआ और रायपुर के कमल विहार जैसे बड़े प्रोजेक्ट को साकार करने में आपने उल्लेखनीय भूमिका अदा की। आपकी अभिरूचि धार्मिक अध्ययन तथा पर्यटन में है। आपने नेपाल, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और यूके की यात्राएं की है।

जामगांव-ऊतई के ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि

दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत भिलाई संभाग के तहत जामगांव (टी), जामगांव (आर), ऊतई एवं पाटन वितरण केंद्र के 12 ग्रामों में उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं क्वालिटी पॉवर प्रदाय करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा विभिन्न कार्य किये गए हैं। इसी तारतम्य में दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि पाटन विधानसभा क्षेत्र के 12 गांवों के लिए पिछले 15 दिनों में 05 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाएं गए तथा 04 ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि की गई एवं लगभग 03 किमी एलटी लाइन को सिंगल फेस 03 वायर से थ्री फेस 05 वायर किया गया। 0.24 किमी नई एलटी लाइन खींची गई एवं 0.48 किमी नई 11 केव्ही लाइन खींचीं गई। उन्होंने बताया कि उक्त सभी कार्य 29 लाख 97 हजार रुपए की लागत से संपन्न किया गया। अधीक्षण अभियंता श्री व्हीआर मौर्या एवं पाटन सब डिवीजन के सहायक अभियंता

श्री मो. जलालुद्दीन ने बताया कि जामगांव (टी) वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम पहंदा में 63 केव्हीए, जांमगांव (आर) वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम अकतई में 63 केव्हीए, ग्राम रीवा गहन में 25 केव्हीए, ऊतई वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम देओर झाल में 63 केव्हीए एवं ग्राम बोहारडीह में 63 केव्हीए का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम बटरेल में 25 केव्हीए, ग्राम गोभरा एवं करगामें 16 केव्हीए तथा ग्राम भनसुली में 10 केव्हीए ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाकर 63 केव्हीए किया गया है। विद्युत विभाग द्वारा किए गए इस कार्य से किसानों को पर्याप्त वोल्टेज एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की सुविधा के साथ कृषि कार्य करने में आसानी होगी। उक्त कार्य संपन्न होने से ग्रामीण एवं किसान हर्षित है। ग्रामीणों ने राज्य शासन एवं विद्युत विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्व-परहितैषी कार्य हैं रक्तदान

रक्तदान को महादान की संज्ञा दी गई है। यह एक ऐसा दान है जो रक्तदाता के साथ ही रक्त ग्राहय करने वाले के लिए भी अमूल्य है। रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिवर्ष 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। 14 जून 1868 को महान वैज्ञानिक कार्ल लैन्ड स्टाइन का जन्म हुआ था। उन्होंने ही मनुष्य के शरीर में संचारित रक्त में मौजूद 'एग्ल्यूटिनिन' के आधार पर रक्त कणों को ए, बी और ओ समूह में वर्गीकृत किया था। इस मानव हितैषी खोज के लिए कार्ल लैन्ड स्टाइन को वर्ष 1930 में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया।

रक्तदान के संबंध में चिकित्सा विज्ञान कहता है कि मनुष्य के शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया चलती रहती है, अतः रक्तदान से कोई भी नुकसान नहीं होता। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति तीन माह में एक बार रक्तदान कर सकता है। यह अत्यंत ही कल्याणकारी कार्य है, अतः जब भी अवसर मिले बेहिचक रक्तदान अवश्य करना ही चाहिये। रक्तदान करते रहने से प्राकृतिक रूप से शरीर में संचारित रक्त की सफाई हो जाती है। इससे कोलेस्टाल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है, हार्ट अटेक, कैंसर की संभावना काफी कम हो जाती है। एक व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे जरूरतमंद को किया गया रक्तदान कई चेहरों पर मुस्कान लाने की ताकत रखता है। मानव शरीर में प्रकृति प्रदत्त शारीरिक तरल रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसे न तो जमीन पर उगाया जा सकता है, न ही पेड़-पौधों से प्राप्त किया जा सकता है। अब तक बनावटी रक्त का भी निर्माण नहीं हो सका है। इसी लिए रक्तदान करने के लिए निःसंकोच आगे आने की आवश्यकता है।

हर्ष की बात है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण कार्य को करके लोगों के जीवन में जहां अंधकार दूर करने का काम कर रहे हैं वहीं पॉवर कंपनी परिवार में ऐसे अधिकारी-कर्मचारी है जो कि समय-समय पर रक्तदान करके लोगों को जीवनदान देने में भी तत्पर रहते हैं। विश्व रक्तदान दिवस पर पॉवर कंपनी के ऐसे रक्तदाताओं से हुई प्रेरक बातचीत का ब्यौरा प्रस्तुत हैं।

खुशी और खून बांटने से बढ़ते हैं - श्री अजय काले

खुशी और खून बांटने से बढ़ते हैं अतः रक्तदान करें खुशी खून दोनों बढाएं यह कथन है अधीक्षण अभियंता (संचारण-संधारण) गुढ़ियारी रायपुर में कार्यरत श्री अजय मधुकर काले का।

बात 1985 की है जब मेरी उम्र 17 साल की थी डॉ. मनोज लांजेवार, सिटी ब्लड बैंक वाले परेशान घूमते हुए मुझसे अचानक मिल गये और उनके कहने पर बिना घर में बताये सुई की चुभन सह कर रक्त दे दिया। एक 11 साल के बच्चे (मरीज) को रक्त लगने से जीवन दान मिला तो जो अनुभव हुआ वो प्रेरणा बन गयी। मिशन बना लिया कि जब भी किसी को जरूरत हो तो रक्त दान जरूर करूगा और फिर सिलसिला आरंभ हो गया।

रक्तदान के सम्बंध में जानकारी ली कि अकेले क्यों और भी लोगों को प्रेरित करके सबको इस कार्य में जोड़ा जाये, फिर तात्यापारा युवा संघ, महाराष्ट्र मंडल से जुड़ कर लोगो की ग्रुप अनुसार लिस्ट तैयार कर दी और जरूरत पड़ने पर रक्तदान देना और करवाना आरंभ हो गया। वर्ष 1991 में मध्यप्रदेश विद्युत विद्युत मंडल में आने के बाद की बात है,नगर निर्माण संभाग के दो हेल्परों पर लोहे के खंबे गिर गए थे, गुढ़ियारी अस्पताल से डाक्टर छाबडा जी ने प्रारंभ उपचार के बाद डी के अस्पताल (अब मेकाहारा) भेज दिया था, तब वहा पहुंच कर उनके लिए रक्तदान के साथ पहचान होने के कारण जल्दी से उपचार मिल गया और जान बचाने का जो सुकुन मिला वो बयां नही किया जा सकता।

अब तो कहीं से कभी भी कॉल आता है, प्रयास होता है कि सामने वाले के लिये रक्त उपलब्ध हो जाये। सामान्य जीवन में 188 बार रक्तदान किया जा सकता है मै स्वयं 62 बार रक्तदान कर चुका हूं। प्रति 3 माह का अंतर एक रक्तदान के बीच में रखना चाहिये। महिलाएं 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकती हैं। सड़कों पर खून बहाने और रक्त न देने के कारण के बजाए जरूरतमंदों के शरीर में रक्त दिया जाये। आप भी कर के देखिए बहुत अच्छा लगता है। सेवा करने डॉक्टर ही बनने की जरूरत नही, न सेना में जाने की जरूरत न बहुत बडे डिग्री की जरूरत है सिर्फ एक सुई की चुभन आपको लोगो के खून में जिन्दा रखेगी ओर लोग जिन्दा रहेंगे सिर्फ आपके अनमोल रक्तदान से।

रक्त के अभाव में किसी जरूरतमंद की जान नहीं जाना चाहिये- जी. हरिशंकर

रक्तदान करने के मामलें में सदैव आगे रहने की लालसा को अपने भीतर रखने वाले श्री जी. हरिशंकर वितरण कंपनी के रिसाली जोन (भिलाई) में लाईन अटेंडेट वर्ग-2 के पद पर सेवारत हैं। रक्तदान के संबंध में अपने अनुभव को बताते हुए कहते हैं कि एक दोस्त की माताश्री को सही समय पर रक्तदान नहीं मिल पाया जिससे माताश्री का देहान्त हो गया। यह घटना मुझे भीतर तक झकझोर गई और मैंने प्रण किया कि आजीवन मेरी कोशिष होगी कि रक्त के अभाव में किसी जरूरतमंद की जान यथासंभव नहीं जाने देना है। उसके बाद से किसी भी जरूरतमंद की जानकारी अगर फोन पर भी मिलती है तो मैं और मेरे अनेक साथी रक्तदान के लिये तैयार रहते हैं।

रक्तदान से मिलती है अपार खुशी- राजेश कुमार पाण्डे

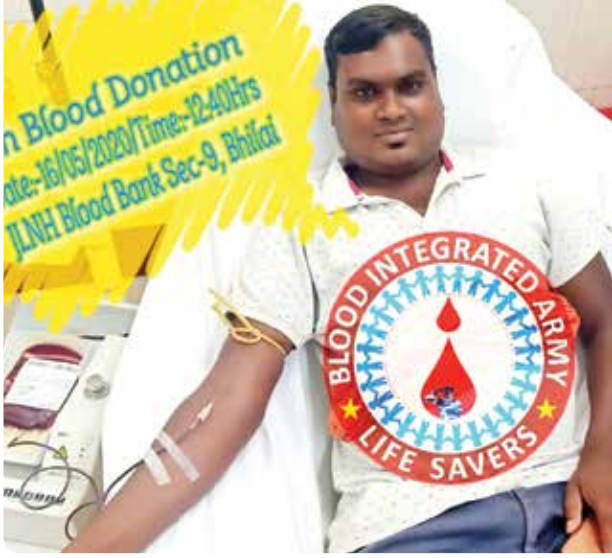

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रिसाली जोन में कार्यरत तकनीकी सहायक वर्ग-2 श्री राजेश कुमार पाण्डे, रक्तदान करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। रक्तदान को महादान मानते हुए उनका कहना है कि रक्तदान के उपरांत अपार खुशी और संतोष की प्राप्ति होती है। वर्ष 2007 में पहली बार रक्तदान करने का अवसर मिला, यद्यपि मामला घरेलू था किन्तु उस दिन मुझे एहसास हुआ कि जरूरतमंद व्यक्ति के मन में कितना बड़ा बोझ होता है कि रक्त कहां से मिले? जबकि रक्तदान करने वाला रक्तदान करके न केवल जरूरतमंद के सिर से परेशानियों का बोझ हल्का करता है बल्कि स्वयं के तनमन को भी तंदरूस्त रखने का कार्य करता है। उस दिन से लेकर जब भी अवसर मिलता है मैं जान पहचान देखे बिना जरूरतमंद को रक्तदान करता आ रहा हूँ। श्री राजेश कुमार नववर्ष के प्रथम दिन और अपने जन्मदिन पर दिन की शुरुआत रक्तदान से ही करते हैं। वे कहते हैं कि ईश्वर ने खाने पीने रहने की हर सामग्री मनुष्य को दी है। मानव शरीर भी ईश्वर की ही देन है किन्तु मानव शरीर में निर्मित रक्त को मानव शरीर से ही प्राप्त किया जा सकता है। अतः ईश्वर द्वारा प्रदत्त रूधिर का दान करके किसी रोते हुए व्यक्ति को हंसाया जा सके तो बिना समय गंवाये हमें आगे आना चाहिये।

गांव घर म बिजली लग गे, चले लगीस कम्प्यूटर,
सपना देखयं दाई-ददा, लईका बनही कलेक्टर।
CSPDCL

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर क्वीन्स ने किया सेनेटाइजर मशीन भेंट

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर क्वीन्स ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर क्षेत्र के अधिकारियों/कर्मचारियों की कोविड-19 से सुरक्षित रहने की कामनाओं के साथ कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर को कान्टैक्टलेस सेनेटाइजर डेस्पेन्सर मशीन भेंट किया। बिलासपुर क्वीन्स की प्रेसीडेंट पायल लाठ ने कहा कि सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुये विभिन्न सार्वजनिक स्थल एवं कार्यालयों में सेनेटाइजर मशीन का वितरण क्लब की ओर से किया जा रहा है, ताकि कोरोना महामारी (कोविड-19) से बचाव में सहयोग मिल सके।

कार्यपालक निदेशक श्री कंवर ने बिलासपुर क्वीन्स की सदस्यों को उनके सहयोग के लिये धन्यवाद देते हुये शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री पी.के. कश्यप, श्रीमती कल्पना घाटे, कार्यपालन अभियंता श्री अमर चौधरी एवं रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर क्वीन्स की सेक्रेटरी रूचिका कौर व न्यू मेंबर स्वाति श्रीवास्तव उपस्थित थीं।

डॉ. सचदेव लिखित शोध प्रबंध इंदिरा संगीत विवि के पाठ्यक्रम में शामिल

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी में अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यरत डॉ. हेमंत सचदेव के शोध प्रबंध को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया। इसे विश्वविद्यालय के नवीन कोर्स बी.पी.ए. (बैचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स) एवं एमपीए (मास्टर ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स) के सेमेस्टर्स के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया। डॉ. सचदेव को विश्वविद्यालय के "एक्सटर्नल एक्सपर्ट" के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

विदित हो कि पूर्व में उक्त विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ म्यूजिक की डिग्री प्रावीण्य सूची में इन्होंने प्रथम स्थान कर इन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया, तत्पश्चात "तिहाईयों एवं चक्रदारों का गणितीय विश्लेषण" विषय पर पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। यह उपाधि इन्हें भूतपूर्व उप राष्ट्रपति श्री कृष्णकांत जी के हाथों प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ था। अभिनव कला परिषद द्वारा "ताल-विशेषज्ञ आर्ट्स" की उपाधि से सम्मानित डॉ. हेमंत सचदेव, छत्तीसगढ़ के एकमात्र ऐसे अभियंता हैं, जिनके शोध-प्रबंध प्रकाशन पश्चात पुस्तक के अध्ययन को, विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। **बधाई...**

श्री संतोष कुमार साहू की केदारकंठ हिमालयन ट्रेकिंग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के (मानव संसाधन) विभाग में प्रबंधक के पद पर सेवारत श्री संतोष कुमार साहू ने यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल हिमालयन केदारकंठ विंटर ट्रेकिंग कम ट्रेनिंग एक्सपेडिशन बैच में सफलतापूर्वक भागीदारी दी।

संतोष कुमार ने बताया कि पर्यावरण को निकट से देखने जानने के साथ ही कठिनाईयों के पल में सूझबूझ एवं साहस को जगाने वाले इस कार्यक्रम में भागीदारी देने वालों को केदारकंठ उत्तराखंड के उत्तरी भाग में हिमालय के शिवालि रेंज की एक सुरम्य चोटी पर चढ़ना होता है।

12000 - 13000 फीट की उंचाई वाली इस चोटी पर चढ़ने के लिए कुल 07 दिन के ट्रेकिंग कार्यक्रम की शुरुआत मसूरी हॉस्टल से होती है। वहां से सांकरी बेस कैम्प के लिए दिनभर की बस यात्रा कर पहुंचते हैं। सांकरी में दो दिन के फिटनेस ट्रेनिंग एवं मेडिकल उपरांत आगे की चढ़ाई शुरु करते हैं। पहले दिन की चढ़ाई के बाद जूडा तालाब कैम्प में बर्फ के बीच

रात गुजारनी होती है फिर अगले दिन की चढ़ाई पूरा करने पर लोहसू हाई एल्टीट्यूड कैम्प में विश्राम कर तैयारी करते हैं। केदारकंठ की चोटी की चढ़ाई रात दो बजे से प्रारंभ कर सुबह 05 बजे तक पूरा लेते हैं ताकि 13000 फीट की चोटी से सूरज को नीचे से उगते हुए अद्भुत दृश्य का आनंद ले सकें। हिमालय की बर्फीली चोटियों में 02 से 03 फीट बर्फ की चादर ढकी रहती है। यहां पर शून्य से 05 डिग्री नीचे तापमान में 07 दिन तक बिना मोबाईल संचार के रहना भी एक अनूठा अनुभव है।

हमारे गौरव

कुर्यात सदा मंगलम

कु. महिमा पटेल

छ.ग. रा.पा. हो. कं. के अति महाप्रबंधक जनसंपर्क कार्यालय में कार्यरत श्री सूर्यभान पटेल की सुपुत्री कु. महिमा पटेल ने छग.मा. शि. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षा 2020 में कक्षा दसवीं में प्रथम श्रेणी 88.16 प्रतिशत अंक अर्जित किया है। सरस्वती शिशु मंदिर उच्च.माध्य. विद्यालय देवेन्द्र नगर में अध्ययनरत छात्रा कु. महिमा ने विद्यालय सहित कंपनी परिवार को गौरवान्वित किया है। बधाई...

कु. पल्लवी वर्मा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के कार्यालय में कार्यरत श्री शिवकुमार वर्मा की सुपुत्री कु. पल्लवी वर्मा ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी परीक्षा 2020 में वाणिज्य संकाय (अंग्रेजी माध्यम) से प्रथम श्रेणी में 79.40 प्रतिशत अंक अर्जित किया है। कु. पल्लवी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता सहित अपने गुरूजनों को दिया है। बधाई...

तेजांशु संग आकांक्षा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमि. गुढ़ियारी के वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय में कार्यरत श्री सी.आर. जांगड़े लेखाधिकारी के सुपुत्र चि. तेजांशु शेखर का शुभ विवाह ग्राम औरदा, जिला राजनांदगांव निवासी स्व. श्री अग्रोहिज कुमार महिलकर की सुपुत्री सौ.का. आकांक्षा के साथ 19 जून 2020 को सांनद संपन्न हुआ। बधाई...

पर्यावरण की पुकार...

दिनकर की स्वर्णिम रश्मियां,
अपनी स्निग्ध आभा से,
जब जीवन का आगाज करें।
तब आशाओं के सुनहले,
सुमन पल्लवों के आसपास,
मंडराते हुए भंवरों को देखो।
उनके श्यामल सलोने रुप में,
मेरे रूप को निहारो।
मैं पर्यावरण हूं।
दूर वहां दृष्टि डालो जहां,
घने जंगल में कभी गूंजता था,
मोहक पक्षियों का मधुर कलरव।
आज काली पथरीली सड़कों पर,
वाहन शोर मचाते हैं।
अश्रु बहाते मौन खड़े वृक्षों के ठूंठ,
बरखा की शबनम को,
आवाज देने से कतराते हैं।
ओजोन घट रही है,
वसुंधरा जल रही है।
प्रदूषण से ग्रसित धरती,
तुम्हें पुकार रही है।
मुझे बचा लो।
तुम्हारा रक्षा कवच हूं।
मैं पर्यावरण हूं।
वृक्षों से अलग,
मेरा कोई अस्तित्व नहीं है।
हरियाली मेरे जीवन की,
पहली शर्त है।
अपने हाथों में कुल्हाड़ी लिए,
इन वृक्षों के पीछे मत दौड़ो।
नदी के कल-कल निर्मल प्रवाह में
कॉंक्रीट का जंगल मत बनाओ।
वसुधा के धानी आँचल में,
धुआं उगलते कारख़ाने मत टांकों।
सरिताओं के पावन जल को,
निर्मल ही रहने दो।
मूक पशुओं को,
मासूम पक्षियों को जीने दो।
हर आँगन में,राहों में,
गलियों में,चौराहों में,
वृक्षों की कतार खड़ी कर दो।
फिर देखो तुम महसूस करोगे,
शीतल सुवासित मंद बयार,
सांसों में रस घोल रही हैं।
हरित तृणों के बिंदु पल्लव से,
सुख की बांसुरी बोल रही है।
नीरव रात्रि के गहनता में,
ख़ुशियों की शबनम झर रही हैं।
आल्हादित प्रकृति बांहें पसारे,
हृदय में स्पंदन भर रही है।
स्निग्ध चांदनी की ठंडक,
शीतल बयारों का निनाद हूं मैं।
जेठ की जलती दोपहरी को जो,
ठंडा करे वो उन्माद हूं मैं।
मानव जीवन का सरस संगीत,
मानव हृदय का
स्पंदन हूं।
मैं पर्यावरण हूं।

डॉ. मंजुला साहू
महिला चिकित्सा अधिकारी,
कोरबा पश्चिम

प्रकृति की पुकार

सोन के कटोरा म दूध अउ चांदी के कटोरा म लाई,
पर्यावरण प्रेमी मन ल, पर्यावरण दिवस के गाड़ा गाड़ा बधाई...

विजय मिश्रा
संपादक

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष 5 जून को संदेश देता है कि 'तन, मन, धन - सबको संवारे पर्यावरण'। इसे जानते और समझते हुए भी मानव समुदाय का एक बहुत बड़ा वर्ग आज भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक दिखाई नहीं देता है। सुबह से व्हाट्सप, फेसबुक में तरह-तरह के बधाई देने वाले और चुटकुले भेजने वाले लोग विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देने के प्रति सोच भी नहीं रखते हैं। ऐसे ही लोगों की लापरवाही से घर संसार में विविध किस्म की व्याधियां जन्म ले रही हैं और तेजी से मानव जीवन को काल के गाल की ओर ढकेल रही हैं। कोरोना वायरस कोविड-19 भी इसका एक ताजा उदाहरण है।

मानव समुदाय को आजीवन 'पर्यावरण मित्र' बने रहने हेतु मानव समाज की आंखे खोलने के लिए भारतीय त्योहारों में पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं, नदी-तालाब-पहाड़ों की पूजा का भी रिवाज भारतवर्ष में है। विभिन्न पर्वों पर पौधों, जीवों, नदियों की पूजा करना यह संदेश देता है कि ये मानव के भाग्य विधाता हैं। इसीलिए जैव-विविधता और प्रकृति संरक्षण करना अपने ही हाथों अपने भाग्य को सौभाग्य में बदलने का कारगर कदम है।

'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' भरा ऐसा कदम उठाते हुए **5 जून विश्व पर्यावरण दिवस** को हमेशा राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की भांति ही मनाना चाहिए। जिस तरह भारत मां के बलिदानी सपूतों ने अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों से हमें आजाद किया, उसी तरह वन, वन्य प्राणी, पेड़-पौधे भी अपना बलिदान देते हुए मानव समुदाय को प्रदूषण के पिंजड़े से मुक्ति दिलाते हैं। पर्यावरण को स्वच्छ बनाए हुए संसार में सुखी जीवन के आधार बनते हैं।

कल-कल करती नदी हो, कुहू-कुहू करती कोयल हो, हूप-हूप करता बंदर हो, चिंघाड़ता हाथी हो या दहाड़ता शेर हो, फुदकती मैना हो या खूबसूरत पंख फैलाए नाचता मोर हो। ये सबके सब लोभ-लालच से दूर धरती माता के बताए नियमों का पालन करते हुए मानव सेवा के लिए समर्पित रहते हैं। इसीलिए जैव-विविधता और प्रकृति की रक्षा से ही मनुष्य का जीवन सुरक्षित रह सकता है।

हमारे धर्मग्रंथों और महान वैज्ञानिकों का भी यही कहना है कि जैव विविधता, प्रकृति की सुरक्षा के साथ पौधारोपण करना, मानव समुदाय का प्रथम कर्तव्य है। दुनिया में विविध किस्म के जीव-जंतु हैं, पर धरती मइया ने पौधारोपण जैसा परोपकारी कार्य करने का दायित्व मनुष्यों को ही सौंपा है। इसे धरती मइया का वरदान मानकर सभी धर्म, जाति, वर्ग के लोगों को जीवन भर पौधारोपण करना चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस पर जैव-विविधता संरक्षण प्रकृति को समय देने का संकल्प लेकर सदैव स्मरण रखना होगा :

जल जंगल और जीवों को बचाएंगे हम एक बार,
फिर आजीवन ये सब हमें बचाएंगे बारम्बार...

प्रिंटेक स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक